ANNUAL REPORT

2021-22

SAMARPAN , PATNA

Samarpan Colony, Patna Gaya Road, Illahibagh,

Near Baria Bus Stand, Patna-800007

E-mail: samarpanindia100@gmail.com, website:

www.samarpanbharat.org

समर्पण (स्पेशल स्कूल, बाल विकास, मानसिक स्वास्थ्य, शोध एवं विकलांग पुनर्वास संस्थान, बौद्धिक दिव्यांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी एवं बहुदिव्यांगजन के लिए, शिक्षण-प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के लिए प्रयासरत कदम)

"समर्पण", 1 अगस्त, 1996 से बौद्धिक दिव्यांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी एवं बहुदिव्यांगजनों श्रवण, नेत्रहीन, स्लो लर्नर एवं अन्य दिव्यांगजनों के शिक्षण-प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के कार्यो को करती आ रही है । आज समर्पण एवं इनकी 38 इकाइयां दिव्यांगता के क्षेत्र में अपनी अलग-अलग पहचान बनाती जा रही है । वर्तमान में संस्थान द्वारा आधुनिक उपकरन एवं नवनीत तक़नीकों एवं विशेषज्ञों से युक्त दिव्यांगजनों को सभी प्रकार की सेवाओं मुहैया कराती आ रही है ।

संस्था बौद्धिक दिव्यांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, स्लो लर्नर, मुक-बधिर, नेत्रहीन एवं बहु दिव्यांग बच्चों के समुचित देखरेख, संरक्षण, चिकित्सीय देखभाल, काउन्सिलिंग एवं शिक्षण प्रशिक्षण के माध्यम से पुर्नवासित करने में सक्षम है। संस्था का प्रमुख उद्देश्य नि:शक्तजन, पिछड़ी विक्षिप्त/मानसिक दिव्यांग/बालक/बालिका के संरक्षण, शिक्षण, प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण, योगासन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों द्वारा उन्हें प्रशिक्षित कर समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का कार्य कर रही है एवं इसी पथ पर अग्रसर है और अभी तक हजारों दिव्यांगजन, बालक/बालिका को पुनर्वासित किया है। समर्पण मुख्यत: दो स्थानों पटना एवं दिल्ली में कार्यरत है एवं ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक दिव्यांग, मुक-बधिर, नेत्रहीन एवं बहु दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षण-प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के लिए कार्य कर रही है।

''समर्पण''-विशेष विद्यालय द्वारा प्रदत सेवाएं एवं लाभार्थी:-

सेवाएँ	2019-20	2020-21	2021-22
सामान्य सेवाएं	1260	1150	1203
चिकित्सा सेवाएं	315	275	285
व्यवहार सुधार	520	530	543
विशेष शिक्षा	850	735	630
भौतिक चिकित्सा	310	320	355
मनोवैज्ञानिक सेवाएं	305	285	293
फिजियोथेरैपी सेवाएं	412	345	408
अभिभावक परामर्श	420	323	335

SAMARPAN PATNA

पूर्व हस्तक्षेप की सेवाएं	203	205	206
बोलचाल (भाषण) चिकित्सा	305	250	255
परिवारिक कुटीर	330	280	275
व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास	128	105	115

''समर्पण''-विशेष विद्यालय द्वारा लाभान्वित ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक दिव्यांग एवं बहु दिव्यांग बच्चे :-

संस्था का नाम	वर्ष	0 से 3 वर्ष	3 से 6 वर्ष	6 से 12 वर्ष	12 से 15 वर्ष	15 वर्ष से ऊपर
''समर्पण'' विशेष विद्यालय	2019-20	36	42	63	52	42
	2020-21	34	44	55	48	34
	2021-22	28	36	43	36	40

समर्पण की पटना में मुख्यत: आठ विभाग है जिसमें 1. विशेष शिक्षा, 2. वाक् एवं वाणिज्य चिकित्सा, 3. मनोचिकित्सक विभाग, 4. भौतिक एवं व्यावासायिक चिकित्सा 5. मेडिकल सायंस विभाग, 6. व्यावासायिक प्रशिक्षण विभाग, 7. सूचना एवं प्रलेखन विभाग 8. मानव संसाधन विभाग के अतिरिक्त विशेष स्कूल एवं छात्रावास, खेल एवं मनोरंजन विभाग है ।

हमारे यहाँ उपलब्ध सुविधाएं :-

विशेष छात्रावास, मनोवैज्ञानिक परिक्षण सेवा, व्यावसायिक चिकित्सा, श्रवण जॉच सेवा, व्यवहार संशोधन सेवा, विशेष शिक्षा सेवा, खेल प्रशिक्षण (स्पेशल ओलंपिक एवं पैरालिम्पक) कम्पयूटर एवं व्यावासायिक प्रशिक्षण, बुद्धि एवं व्यक्तित्व की जाँच, फिजीयोथेरैपी, ऑकुपेशनल थरेपी एवं स्पीच थेरैपी, यर्ली इन्टरभेंशन सेवा (प्रारंभिक हसतक्षेप सेवा), पुनर्वास, मार्गदर्शन और परामर्श सेवा, शिक्षण सहायता सेवा, अभिभावक प्रशिक्षण, खेल-खेल में बच्चों को शिक्षा, अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी।

सामान्य सेवाएं :-

संस्थान बड़े पैमाने पर मंदबुद्धि, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी एवं बहुविकलांगों की सेवाओं का प्रबंध समर्पण एवं 38 जिलों में स्थित इकाइयां करती हैं जिसमें सभी आय वाले तीव्र व्याधिग्रस्त मानसिक रूप से मंद व्यक्ति सम्मिलित हैं । मुख्यालय के बाहर अर्थात नगर से दूर रहने वालों के लिए उनकी आवश्यकतानुसार सेवाएं प्रदान की जाती है। मानसिक व्यक्तियों के अतिरिक्त

SAMARPAN PATNA

विभिन्न समस्याओं वाले जैसे अपस्मार, स्वैरचिंतन (स्वलीनता), प्रमस्तिष्क अपघात अथवा बहुविकलांगों के लिए भी सेवाओं का प्रबंध किया जाता है ।

विशेष सेवाएं :-

विशेष सेवाओं का मुख्य लक्ष्य घरेलु प्रशिक्षण तथा व्यवस्थात्मक योजना का कार्यान्वयन है । मानसिक मंद बच्चों के घरेलु प्रशिक्षण में अभिभावकों को प्रतिपादन एवं प्रस्तुतीकरण प्रबंध योजना से सम्मिलित है ।

चिकित्सा सेवाएं :-

मानसिक मंद व्यक्तियों में जिनका संबंध चिकित्सा से है जैसे अपस्मार (मिर्गी) अतिगति संवेदित टाइपर काइनाटिक व्यवहार, अपर रेस्परेटरी ट्रेकइन्फेक्शन कक्ष उपरी श्वास प्रदेश के संक्रमणों, पोषण आहार समस्यातक आदि की दवाइयों की व्यवस्था है तत्संबधित चिकित्सात्मक सलाह परामर्श दी जाएगी। संस्थान के भीतर बालचिकित्सा विद्यमान है, आवश्यकता होने पर सेवार्थियों के लिए बाहरी विशेषज्ञों को रेफर किया जाता है।

व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा रोजगार विस्थापनः-

1. टॉयज (खिलोना) : डॉल मेकिंग, लेडीस पर्स, स्वेटर, क्रोशिया वर्क, कपड़े का खिलौना, फ्री हैन्ड पेंटिंग 2. हाथ की कढ़ाई (एपलिक वर्क), 3. मशीन की कढ़ाई, 4. बेबी गारमेन्ट्स, 5. जेन्ट्स गारमेन्ट्स, 6. लेडिज गारमेन्ट्स, 7. पेंटिंग : फैब्रिक पेंटिंग, ऑटाल पेंटिंग, निब पेंटिंग, कोन पेंटिंग, डिकुपेज पर चित्रकारी, शीशा वर्क, 8. टेक्सटाइल डिज़ाइनिंग : ब्लॉक पेंटिंग, एसप्रे पेंटिंग, स्क्रीन प्रिंटिंग, 9. पैकिंग डेकोरेशन : गिफ्ट पैकिंग, 10. फ्लावर मेकिंग, फूल का माला गुथना, 11. इन्टेरियल डेकोरेशन : थर्माकॅल वर्क, सैंड वर्क, पेपर वर्क, ग्लास वर्क, मेटल पर नक्काशी, 12. बाईंडिंग : बुक बाईंडिंग, पेस्टिंग, कटींग, स्कॉयरल वाईंडिंग, 13. घरेलू उद्योग (मोमबत्ती बनाना, अगरबत्ती बनाना, पापड़, अचार, चिप्स, भुजिया, दालमोट, ड्राइफ्रूट पैकिंग, राखी, पटसन से रस्सी, टिकुली, ठोंगा आदि बनाना), 14. मिट्टी के खिलौने, बर्तन आदि बनाना, लकड़ी से संबंधित कार्य (हार्डबोर्ड पेंटिंग, बांस की कमानी से टोकरी, डलिया आदि बनाना), 15. कम्प्यूटर से टाईप, ग्रिटिंग कार्ड, पोस्टर आदि बनाना।

समर्पण द्वारा समय-समय पर बौद्धिक दिव्यांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी एवं बहु दिव्यांग बच्चों के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रम, प्रदर्शनी, सेमीनारी, पोस्टर प्रजेन्टेशन, सामुदायिक

पुनर्वास, अभिभावक जन-जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्वास्थ्य जॉच शिविर का आयोजन किया जाता है।

विशेष विद्यार्थियों की संख्या :

दिव्यांगता	2021-22
बौद्धिक दिवयांग (ID/MR)	23
ऑटिज्म (Autism)	21
सेरेब्रल पाल्सी (C.P.)	14
बहुदिव्यांग (M.D.)	20

ANNUAL REPORT 2021-22

2 अप्रैल 2021

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर एक दिवसीय ऑटिज्म जन-जागरूकता एवं संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया

महिलाओं की अपेक्षा पुरूष अधिक हैं ऑटिज्म से ग्रसित

पटना, 2 अप्रैल 2021 । समर्पण (बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल मेडीसिन, चिकित्सीय प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, विशेष शिक्षा, अनुसंधान और पुनर्वास केन्द्र दिव्यांगजन), चाईल्ड कन्सर्न एवं इण्डियण स्पोर्टस फेडेरेशन ऑफ ऑटिम के संयुक्त तत्वाधान में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर आज दिनांक 2 अप्रैल 2021 (शुक्रवार) को अपराहण् 2 बजे से समर्पण सेमिनार हॉल, गंगा विहार कॉलोनी, इलाहीबाग, बैरिया आईएसबीटी (नया बस स्टैंड) के पास, पहाड़ी, पश्चिम दक्षिण बादसाही पैन, पटना में एक दिवसीय ऑटिज्म जन-जागरूकता एवं संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। आज के कार्यशाला का मुख्य अतिथि माननीय डॉ० शिवाजी कुमार, राज्य आयुक्त नि□:शक्तता (दिव्यांगजन), समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार नीला रोशनी कर किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री मोती लाल (अध्यक्ष बिहार एसोसिएशन ऑफ पी०डब्ल्यू०डी०), धीरेन्द्र कुमार (समाजसेवी), श्रीमति सुलेखा कुमारी (सचिव,समर्पण), श्रीमति मधु श्रीवास्तव (अध्यक्ष बिहार सिविल सोसाईटी फोरम) साथ ही सुगन्ध नारायण प्रसाद (कार्यक्रम समन्वयक), संतोष कुमार सिन्हा, ई० रविन्द्र प्रसाद, श्री वेद प्रकाश, राहुल कुमार, सुप्रभात, अंकित मिश्रा, अमृत कुमार, राधा कुमारी, नि□रंजन कुमार, उत्तम कुमार, भारती कुमारी एवं सैंकड़ो दिव्यांगजन, अभिभावकगण, समाजसेवी आदि सरकार द्वारा जारी कोविड-19 गाईडलाइन का पालन करते हुए उपस्थित थे।

SAMARPAN PATNA

विश्व आटिज्म जागरूकता दिवस प्रत्येक वर्ष 2 अप्रैल को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2007 में दो अप्रैल को विश्व आटिज्म जागरूकता दिवस घोषित किया था। नीला रंग आटिज्म का प्रतीक माना गया है। भारत के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार 110 में से एक बच्चे आटिज्म का शिकार होता है और हर 70 बच्चों में से एक इस बीमारी से प्रभावित होता है। इस कार्यक्रम कराने का मुख्य उद्देश्य ऑटिज्म के प्रति जागरूकता फैलाना है।

मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार ने बताये कि पूरे विश्व में 2 अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2007 में दो अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में घोषित किया गया था। उन्होने ने बताया कि ऑटिज्म एक न्यूरो डेवलपमेंटल विकार है, जिसके कारण बच्चों में संज्ञानात्मक, भावनात्मक, व्यक्तिगत एवं संप्रेषण विकास प्रभावित होता है। इस दिन ऑटिज्म (स्वालिनता) से ग्रसित बच्चों एवं बड़ों के जीवन में सुधार के कदम उठाए जाते हैं साथ ही सार्थक जीवन बिताने में सहायता दी जाती है। नीला रंग ऑटिज्म का प्रतीक माना गया है। ऑटिज्म एक छिपी छिपी बॉद्धिक दिव्यांगता है जो बच्चों के प्रारंभ में पता नहीं चलता है लेकिन बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होता है उसमें ऑटिज्म के लक्ष्ण सामने आने लगती है। ऑटिज्म को पहचान कर सही समय पर विशेषज्ञों के सलाह द्वारा उसमें सुधार लाया जा सकता है। ऑटिज्म को पहचानने का सही तरीका है जैसे वह खुद में खोया रहता है, एक ही काम को
बार-बार दोहराना, सुन कर अनसुना करना, शब्द पहचानने में दिक्कत, डरना, शांत रहना आदि। ऑटिज्म के बच्चों में स्पीच थेरैपी, ऑकुपेशनल थेरैपी, विहैवियर एवं रिलेशनशिप थेरैपी, शैक्षणिक थेरैपी एवं विशेषज्ञों के परामर्श से सुधार लाया जा सकता है। ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर सभी जगह नीला रोशनी जलाकर एवं नीला रंग उपयोग कर ऑटिज्म के प्रति जागरूकता फैलाना चाहिए। ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे अपने-आप में खोये रहते हैं और अकेले रहना पसन्द करते हैं। महिलाओं के अपेक्षा पुरूषों में ऑटिज्म के मामले 5 गुणा अधिक है। इसका न तो सही कारण पता है और न ही दवा पर कुछ थेरैपी से उनको रोजमर्रा के जिंदगी में आनेवाली रूकावट व परेशानी से दूर रखा जा सकता है । ऑटिज्म एक मानसिक विकास संबंधित बीमारी है जिसे पूरी तरह से ठीक नहीं किया जा सकता, लेकिन सही प्रशिक्षण

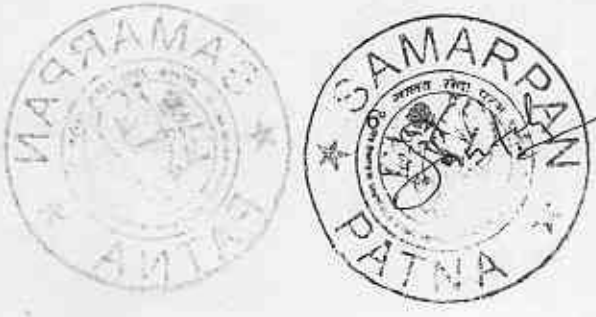

एवं परामर्श से सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दिये।

सभी अतिथियों ने बताया कि अगर हम लोगों को ऑटिज्म (स्वालिनता) के प्रति जागरूक करें तो उनमें बहुत हद तक सुधार ला सकते हैं। ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों में सुधार लाने के लिए खेल-खेल में नए शब्दों का प्रयोग करें, बारी-बारी से खेलने का आदत डालें, छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग करें, बच्चों को शबासी दें उन्हें बोलने के लिए प्रेरित करें, बच्चे को घर के अलावा अन्य लोगों से नियमित रूप से मिलने का मौका दें, बच्चे को पार्क में ले जायें, अन्य लोगों से बात करने के लिए बच्चे को प्रेरित करें, बच्चे को तनाव मुक्त रखें, प्रोत्साहन के लिए रंग-बिरंगी, चमकीली तथा ध्यान खिंचने वाली चीजों का इस्तेमाल करें, बच्चे को व्यायाम, दौड़ तथा बाहरी खेलों में लगाएं इन सभी गतिविधियों से ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों में सुधार लाया जा सकता है।

समर्पण बिहार में कार्य कर रहे सभी 38 जिलों के यूनिटों में 21 हजार से अिधक अभिभावकगण जुड़े हुए हैं। सभी यूनि□टों के कार्यकारी समन्वयक द्वारा आज ऑटिज्म जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। समर्पण पटना द्वारा 75 से अधिक ऑटिज्म एवं विभिन्न दिव्यांगता से ग्रसित बच्चों का शिक्षण-प्रशिक्षण, व्यावासायिक प्रशिक्षण एवं पुनर्वास का कार्य पिछले 25 सालों से किया जा रहा है।

आज के ऑटिज्म जागरूकता कार्यक्रम का संचालन सुगन्ध नारायण प्रसाद एवं धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार सिन्हा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राहुल कुमार, पुनम देवी, हेमन्त लाल, आशा कुमारी आदि का महत्वपूर्ण भूमिका रहा।

7 अप्रैल 2021

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर वर्चुअल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

लोगों को स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक

पटना 7 अप्रैल 2021 । समर्पण एवं चाईल्ड कन्सर्न के तत्वाधान में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आज दिनांक 7 अप्रैल 2021 को अपराहण् 2:00 बजे से अपराहण् 4:00 बजे तक ऑनलाइन वर्चुअल स्वास्थ्य जागरूकता का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज के वर्चुअल स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राज्य आयुक्त नि:शक्तता डॉ० शिवाजी कुमार ऑनलाइन उपस्थित थे साथ ही डॉ० विनोद भांती (दिव्यांगजन विशेषज्ञ), डॉ० विवेक कुमार सक्सेना, डॉ० विवेक विक्रम, डॉ राजीव गंगौल (अध्यक्ष, पाटलीपुत्रा पैरेन्टस एसोसिएशन), श्रीमती मधु श्रीवास्तवा (सचिव, बिहार सिविल सोसाइटी फोरम), संदीप कुमार (दिव्यांगजन विशेषज्ञ), श्री सुगन्ध नारायण प्रसाद (प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर), संतोष कुमार सिन्हा (प्रोग्राम मैनेजर, स्पेशल ओलम्पिक्स बिहार), श्री मोती लाल (अध्यक्ष, बिहार एसोसिएशन ऑफ पीडब्ल्यूडी), आदित्य कुमार, एवं सैकड़ो दिव्यांगजन, समाजसेवी, अभिभावकगण आदि ऑनलाइन उपस्थित थे। पूरे विश्व में 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है, इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है।

मुख्य अतिथि डॉ० शिवांजी कुमार ने बताये कि आज पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जा रहा है, प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरुआत 1950 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा की गई थी और इसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य और उससे जुड़ी समस्याओं पर विचार करना है। तथा हमारे भारत देश में अक्सर एक कहावत कही जाती है कि 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' अर्थात, 'जान है तो जहान है...'इस साल वर्ल्ड हेल्थ डे की थीम है, 'एक निष्पक्ष और स्वस्थ दुनिया का निर्माण' करना. डब्ल्यूएचओ के स्थापना दिवस को हर साल विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है.

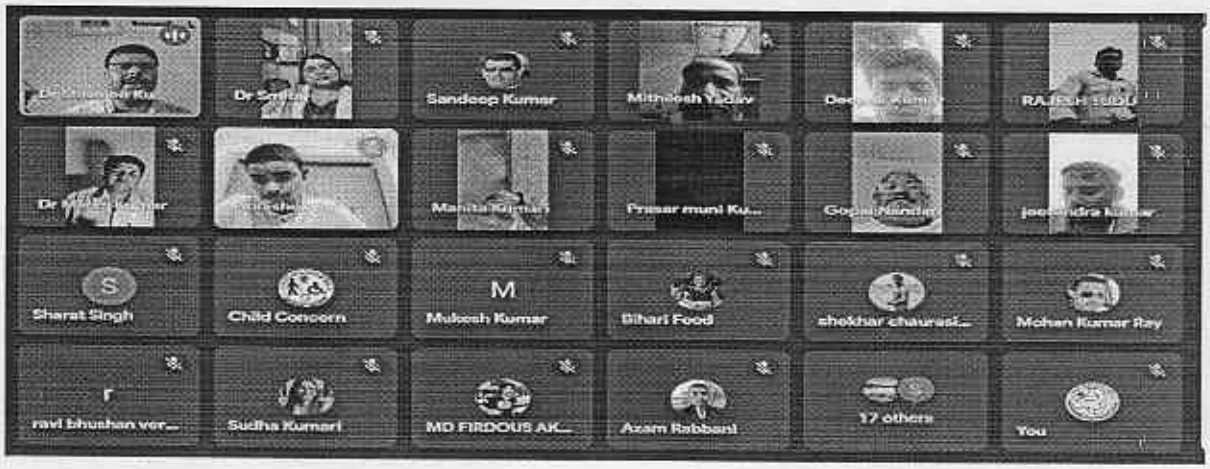

सभी अतिथियों ने आज के स्वास्थ्य के बारे में चर्चा करते हुए कोविड 19 वायरस एवं उससे बचाव के उपाय के बारे में बताये । साथ ही शुगर, थायराइड, हाइपर टेंशन, मौसमी बिमारीयों पर चर्चा एवं बचाव के उपाय के बारे में बताया। आज दुनियाभर में लाखों की संख्या में लोग कई बड़ी बिमारियों से जूझ रहे हैं. जिसमें मलेरिया, हैजा, टीबी, पोलियो, कुष्ठ, कैंसर और एड्स जैसी घातक बिमारी शुमार हैं. दुनियाभर के लोगों को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ बनाने के लिए जागरुक करना ही इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है।

आज के कार्यक्रम का संचालन संदीप कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन सुगन्ध नारायण प्रसाद द्वारा किया गया।

05 जून 2021

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ऑनलाईन पर्यावरण जन जागरूकता कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन

पर्यावरण के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

पटना 05 जून 2021। समर्पण बिहार अवार्ड सैरोमनी एवं चाईल्ड कन्सर्न के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर आज दिनांक 5 जून 2021 (शनिवार) को दोपहर 12:00 बजे से वर्चुअल पर्यावरण बचाओ जनजागरूकता कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को पूरे विश्व में पर्यावरण के सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए मनाया जाता है। पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करनवालों को बिहार पुरस्कार समारोह और समर्पण क्लब उन संरक्षणवादी, पर्यावरणविद, हरे, पृथ्वी के मित्र को प्रशस्ति पत्र देकर ऑनलाइन सम्मानित किया

SAMARPAN PATNA

गया। आज के वर्चुअल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (दिव्यांगजन विशेषज्ञ), साथ ही पर्यावरणविद एवं समाजसेवी डॉ. अविनाश प्रसाद, डॉ० स्मिता तिवारी (रिहैबिलीटेशन प्रैक्टिशनर), डॉ० ऋतु रंजन (समाजसेवी), अनुषा शर्मा (समाजसेवी), श्री अजय सहाय (प्रोग्राम ऑफिसर मनरेगा), श्री शिवकान्त मिश्रा (पर्यावरणविद एवं समाजसेवी), हिरदय यादव (समाजसेवी), श्री रंजीत मिश्रा (समाजसेवी), यास्मिन बानो (समाजसेवी), डॉ मनोज कुमार पटेल (पर्यावरणविद वैज्ञानिक), मनमोहन कृष्णा (समाजसेवी), उषा मनाकी, सुगन्ध नारायण प्रसाद, संतोष कुमार सिन्हा, संदीप कुमार, राहुल कुमार, धीरजकुमार आदि के साथ साथ अन्य पर्यावरणविद अपने-अपने घरों से ऑनलाइन उपस्थित थे। सभी ने बच्चों को कास्मेटिक सामग्रियों से दूर रहने को कहा ये भी एक कारण है पर्यावरण के क्षय का कारण है। जल जीवन हरियाली पर्यावरण बचाने का मूल मंत्र है।

मुख्य डॉ० शिवाजी कुमार ने बताया कि पर्यावरण की रक्षा एवं संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेवारी है तथा पर्यावरण के बारे में बच्चों को मन: मस्तिस्क में उभारकर एक नए समाज का निर्माण कर प्रकृति की रक्षा करना है। पहले व्यक्ति 90 से 100 साल तक जिवित रहता था लेकिन अब प्रदूषण के कारण मनुष्य कई रोगों से ग्रसित हो जाता है और 60 से 70 साल तक ही जिवित रह पाता है। पर्यावरण है तो हम हैं। पर्यावरण के दूषित एवं क्षय के कारण ही आज हम जल, ऑक्सीजन खरिदना पड़ रहा है।

अजय सहाय ने बताया कि सरकार द्वारा मनरेगा के माध्यम से करोड़ों पौधा लगाया जा चुका है एवं लगाया जा रहा है तथा ग्रामीण स्तर पर लोगों पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

डॉ० ऋतु रंजन ने बताई कि जो भी विकास का कार्य होना चाहिए वो पर्यावरण के ध्यान में रखकर करना चाहिए।

डॉ० स्मिता तिवारी ने बताई कि हम सभी पयार्वरण को सरंक्षण करना चाहिए पेड़ पौधा लगाना चाहिए एवं पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना चाहिए।

डॉ मनोज कुमार पटेल (पर्यावरणविद वैज्ञानिक) ने बताया कि आज पर्यावरण को बचाने के लिए तकनिको का सहारा लिया जा रहा है तथा ऐसे मशीनों का तैयार किया जा रहा जिससे कम केमिकल का उत्सर्जन हो।

शिवकान्त मिश्रा (पर्यावरणविद एवं समाजसेवी) एवं श्री रंजीत मिश्रा ने बताया कि हमारे यहां किसी का जन्म होने पर 108 पौधा लगया जाता है एवं उसे संरक्षण किया जाता है तथा प्रत्येक के जन्म दिवस पर पर वृक्षारोपण किया जाता है जिसके कारण हमारे गांव में हिरयाली ही हरियाली है।

हिरदय यादव ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण करना हम सभी का कर्तव्य है।

मनमोहन कृष्णा ने बताया कि एक दूसरे से संपर्क कर पर्यावरण प्रति लोगों को जागरूक किया जा सकता है एवं सभी को वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण करना बहुत ही जरूरी है।

डा॰ अविनाश प्रसाद ने बताया कि मेरा मानना है कि इस सोई और खोई संसार को सिर्फ 5 जून को जागरूक करके स्वयं तो क्या पृथ्वी को ही नही बचा सकते। पृथ्वी को बचाना है तो यह बात याद रखें कि "त्यागो हि सर्वस्य नानि हन्ते।" अर्थात यदि हम

SAMARPAN PATNA

त्याग करते हैं तो हमें सभी कष्टों से मुक्ति मिल जाएगी। आज विलासिताओं ने हमे निस्तनाबूद कर डाला । जल भंडारण का खात्मा। 12000 साल पहले मनुष्यों को गतिविधि कम थी। 10000 साल से इसका नुकसान शुरू हुआकारण 12 हजार साल पहले 27%पृथ्वी का हिस्सा अनछुआ था, वहीं 10 हजारवें साल में अनछुआ हिस्सा घट कर 19%बचा। फल यह हुआ कि सबसे बड़ा जलखजाना अंटार्कटिका का बहुत बड़ा खंड टूटकर समुद्र में जा गिरा। 70%पानी दुनिया भर को हिमखंडों से पूर्ति होती है। 2 लाख ग्लेशियर के पिघलने का दर भयानक प्रतिशत के स्तर पर पहुंच चुका है। अब आएं कचरा~मनुष्य जनित कचरा जो 13 करोड़ मैट्रिक टन 2019 तक में डाला, इस वर्ष तक 35%प्लास्टिक को बनाया और जला भी दिया, 31%गहराई कम की, जिससे 19% मानसून कम आया, समुद्री जीव मरे, समुद्र में 400 डार्क जोन(यानी इसमें न जीव न पादप रहे) बने। हालात यह को विभिन्न तूफान और भूकंप के साथ ज्वालामुखी भड़का जैसे ताउते, यास इत्यादि। आंकड़े गवाह है की जैव विविधता 25% खो दी, लगता है आने वाला समय मानव रेस को नष्ट कर डालेगा।

आज के वर्चुअल जन जागरूकता कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सो से अभिषेक बेरा, अभिषेक राज, आदित्या कुमार, अफसर जमाल, अखिलेश कुमार, राज मंगल, बाबु विजय, बाल्मिकि कुमार, बृजमोहन दुबे, चनदन कुमार, धर्मेन्द्र श्रीवास्तवा, धीरज कुमार त्रिवेणी, कमल कुमार चौबे, कुन्दन कुमार पाण्डेय,लालु तुराहा, मेराज, मिक्कुकुमार झा, शाहबाज अहमद, निराकार बिशोई, पंकज कुमार, प्रणव सिंह, रामबाबु कुमार, रीता रानी, रूबी सिंह, शागुफ्ता फातिमा, शेखर चौरसिया, सुधांशु गुप्ता, सुजित कुमार, टुन्ना राज, राज, यास्मिन बानो, अभिमन्यु सिंह एवं सैकड़ो पर्यावरणविद ऑनलाइन उपस्थित थे।

सभी पर्यावरण संरक्षणवादी, पर्यावरणविद, पृथ्वी के मित्र को बिहार पुरस्कार समारोह और समर्पण क्लब द्वारा ई प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानि□त किया गया। सभी ने अपने द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किये गये कार्यों का विवरण गूगलफॅर्म के माध्यम से किया था।

आज के कार्यक्रम का संचालन संदीप कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार सिन्हा के द्वारा किया गया।

'21वॉ बिहार सम्मान समारोह 2021' (राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार सम्मान समारोह) का आयोजन

अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी पैरालिम्पिक टोक्यो 2020 पदक विजेता प्रमोद भगत (गोल्ड मेडल) एवं शरद कुमार (कांस्य मेडल) को बिहार खेल रत्न से सम्मानि□त

डॉ० शिवाजी कुमार (पूर्व राज्य आयुक्त दिव्यांगजन) को बिहार गौरव सम्मान से सम्मानित किये गये

पटना 08 सितम्बर 2021 (बुधवार)। 'बिहार विकलांग खेल अकादमी", पैरालिम्पिक कमिटी ऑफ बिहार, स्पेशल ओलम्पिक्स बिहार, बिहार सिविल सोसाईटीज, समर्पण, चाईल्ड कन्सर्न, बिहार नेत्रहीन खेल संघ, बिहार डेफ स्पोर्टस एसोसिएशन, बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएबिलिटिज, इण्डियन स्पोर्टस फेडेरेशन ऑफ ऑटिज्म, इण्डियन स्पोर्टस फेडेरेशन ऑफ सेरेब्रल पाल्सी, एक्शन फॉर ऑल, तलाश एवं पाटलीपुत्रा पैरेन्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में 21वां बिहार सम्मान समारोह 2021 का आयोजन आज दिनांक 08 सितम्बर 2021 (बुधवार) को अपराहण् 2 बजे से राजमहल

रिसॉर्ट बैंक्वेट हॉल, राम जानकी पथ, भागवत नगर, कुम्हरार, पटना-800026 में कोविड19 के नियमों का पालन करते हुए किया गया। चयनि□त सभी प्रतिनिधियों, दिव्यांग खिलाड़ी, खेल प्रशिक्षक, समाजसेवी एवं इनसे जुड़े लोगों को मोमेंटो, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानि□त किए गए।

आज 21वीं बिहार सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री जीतन राम मांझी (पूर्व मुख्यमंत्री, बिहार), श्री समीर कुमार महासेठ (विधायक मधुबनी सह अध्यक्ष स्पेशल ओलम्पिक्स बिहार), डॉ० शिवाजी कुमार (पूर्व राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, बिहार सरकार), डॉ० महाचन्द प्रसाद सिंह (पूर्व मंत्री, बिहार सरकार), एवं विशिष्ट अतिथि ईं० अजय यादव (समाजसेवी), श्री राजकुमार पासवान (समाजसेवी), श्री कमलेश कुमार सिंह (निदेशक सह सचिव बिहार राज्य खेल प्राधिकरण), श्री संजय कुमार (जिला खेल पदाधिकारी, पटना), डॉ० राजीव गंगौल (अध्यक्ष, पाटलीपुत्रा पैरेन्टस एसोसिएशन), श्रीमति मधु श्रीवास्तव (सचिव, बिहार सिविल सोसाईटी फोरम), डॉ० ऋतु रंजन (मानवाधिकार विशेषज्ञ) के कर कमलों द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर बिहार सम्मान समारोह का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर श्री मिथलेष कुमार मंडल (रोटरी क्लब), फजल अहमद (प्राफेसर सह समाजसेवी), सुलेखा कुमारी (सचिव समर्पण), संदीप कुमार(खेल नि□देशक, बिहार दिव्यांग खेल अकादमी), संतोष कुमार सिन्हा (प्रोग्राम मैनेजर), सुगन्ध नारायण प्रसाद (कार्यक्रम समन्वयक), लक्ष्मीकान्त कुमार, अंजली कुमारी, अशोक कुमार, अमन केसरी, आदित्या कुमार साथ ही सैंकड़ो राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग खिलाड़ी,खेल प्रशिक्षक, समाजसेवी, प्रोफेशनल, अभिभावकगण एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। आज 21वीं बिहार सम्मान समारोह 2021 में कुल 17 वर्गों में 80 प्रतिभागियों को सम्मानि□त किया गया।

ज्ञात हो कि यह राष्ट्रीय स्तर का सम्मान समारोह दिव्यांगजनों की उन्नति एवं पुनर्वास के लिए कार्य करने वाले वैसे दिव्यांग खिलाड़ी, प्रशिक्षक, प्रोफेशनल, समाजसेवी, डॉक्टर, कलाकार, पत्रकार, कवी, लेखक, एन.जी.ओ., राजनैतिक, समाजिक आदि जिन्होंने खेल-कूद एवं विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त कर बिहार राज्य एवं राष्ट्र के नाम को गौरवान्वित किया है को वर्ष 2000 (21 वर्षों से) से दिया जा रहा है।
सभी मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों ने बताया कि बिहार के लिए गौरव की बात है कि इस तरह के सम्मान समारोह पिछले 21 वर्षों से किया जा रहा है। आज के सम्मान समारोह में पैरालिम्पिक टोक्यो 2020 में पदक विजेता बिहार एवं देश का नाम रौशन करने वाले प्रमोद भगत एवं शरद कुमार को बिहार खेल रत्न सम्मानित किया गया साथ ही भारतीय पैरालिम्पिक दल के प्रतिनिधि डॉ० शिवाजी कुमार को बिहार गौरव सम्मान से सम्मानित किए गए। यह गौरव कि बात है कि बिहार के दिव्यांग खिलाड़ी देश एवं विश्व में बिहार का नाम को रौशन करते हैं। इस सम्मान समारोह से बिहार वासियों दिव्यांग एवं समान्य खिलोड़ियों, खेल प्रशिक्षक, समाजसेवियों में उत्साह, उल्लास एवं कार्य करने की नया जज्बा पैदा होता है। हम सभी सम्मानित प्रतिनिधियों को शुभकामना देते हैं साथ ही आयोजनकर्ताओं को भी शुभकामना देना चाहेंगे कि यह सम्मान समारोह निरंतर जारी रखें।

21वां बिहार सम्मान समारोह 2021 से सम्मानित प्रतिनिधियों दिव्यांग खिलाड़ी, समान्य खिलाड़ी, खेल प्रशिक्षक, प्रोफेशनल, समाजसेवी, संवाददाता,लेखक एवं इनसे जुड़े लोगों के नाम निम्न प्रकार है:-

- ओवर ऑल अन्तर्राष्ट्रीय वर्ग में- बिहार खेल रत्न सम्मान - (1) प्रमोद भगत (हाजीपुर), (2) शरद कुमार (मुजफ्फरपुर)।
- दिव्यांगजनों द्वारा साहसिक कार्य वर्ग में-अभिमन्यु वीरता पुरस्कार - (1) शेखर चौरसिया (रोहतास), (2) कुमारी प्रियंका (पटना)।
- राज्य स्तरीय खेल वर्ग में- भीम सम्मान - (1) किशोर कुमार (अरवल), (2) सावित्रि कुमार राम (अरवल), (3) कुणाल कुमार (पटना), (4) मो० गौहर (सिवान), (5) पुजा भारती (मुंगेर), (6) सुदर्शन कुमार (नालन्दा), (7) शाकीब रहमान (मुजफ्फरपुर), (8) चन्दन कुमार (बेगुसराय), (9) मो० फिरदौस आलम (अरवल), (10) ओम प्रकाश पटेल (नालन्दा),

(11) अंश कुमार चौधरी (नालन्दा), (12) मो० मेराज आलम (समस्तीपुर), (13) राज मंगल निषाद (मधेपुरा), (14) दिलमोहन झा (मुजफ्फरपुर), (15) अनीष कुमार (औरंगाबाद)।

- राष्ट्रीय खेल वर्ग में-अजातशत्रु सम्मान - (1) क्षितिज शान्डिल्य (झारखण्ड), (2) रोहित साह (पटना), (3) साक्षी (पटना), (4) शाहबाज अहमद (पटना), (5) मो० अफसर जमाल (पटना), (6) अफरीन सबा हक (पटना), (7) मुनचुन कुमार (शेखपुरा), (8) रजत कुमार (पटना), (9) किशोर कुमार राय (पटना), (10) अमीषा प्रकाश (पटना), (11) मानसी (पटना), (12) पुजा कुमारी (मुंगेर), (13) मिरा कुमारी (मुंगेर), (14) रवी कुमार (मुंगेर), (15) सौरव कुमार (मुंगेर), (16) मिक्कु कुमार झा (मुंगेर), (17) अमित कुमार से (भागलपुर), (18) अंकित मिश्रा (पटना), (19) धर्मवीर कुमार (पटना), (20) अभय कुमार (नालन्दा), (21) अक्षत राज (नालन्दा), (22) राजीव कुमार गिरी (पटना), (23) गजेन्द्र कुमार (जहानाबाद), (24) शिवम गंगौल (पटना), (25) शिशिर कुमार (पटना), (26) धीरज कुमार (पटना), (27) अभिषेक राज (पटना), (28) अमृत कुमार महतो (सीतामढ़ी), (29) सुप्रभात कुमार (पटना), (30) नेहा कुमारी गुप्ता (पटना)।
- वेस्ट दिव्यांग खिलाड़ी अन्तर्राष्ट्रीय वर्ग में- कर्ण सम्मान - (1) रवी कुमार मेहता (पटना), (2) प्रिंस कुमार (कटिहार)।
- वेस्ट दिव्यांग खेल प्रशिक्षक वर्ग में-पतंजली सम्मान - (1) आदित्या कुमार (पटना), (2) निर्भय कुमार (नालन्दा), (3) राजेश कुमार (पटना), (4) उमेश हल्दांकर (गोआ), (5) सत्यम कुमार (नालन्दा), (6) कुन्दन कुमार पाण्डेय (नालन्दा), (7) विशाल कुमार (पटना), (8) रौशन कुमार (पटना)।
- वेस्ट ऑलिन्टियर ऑर्गेनाइजेशन मनावतावर्ग में- महात्मा बुद्ध सम्मान - डॉ० अश्विनी कुमार (पटना), (2) सुरेन्द्र प्रसाद यादव (नालन्दा), (3) आशीष रंजन (वैशाली), (4) संजीव कुमार (पटना), (5) शिव कुमारी (पटना)।
- दिव्यांगजनों के लिए समाजिक सशक्तिकरण वर्ग में-बिरसा मुण्डा सम्मान - (1) हृदय यादव (नालन्दा), (2) सुधान्शु कुमार (औरंगाबाद)।
- वेस्ट युवा वर्ग में-विवेकानन्द सम्मान - (1) हरिमोहन सिंह (मुंगेर), (2) रवि शंकर ठाकुर (मधुबनी)।
- खेल प्रोत्साहन वर्ग 'गुरू गोविन्द सिंह सम्मान - (1) राजेश राज (पटना)।
- वेस्ट प्राफेशनल वर्ग में-रीता पेशावरिया सम्मान - (1) डॉ० स्मिता तिवारी ओझा (पटना), (2) महादेव शिन्दे (गोआ), (3) कुमार भारत भुषण (मोकामा)
- मानवता वर्ग में-वीर कुंवर सिंह सम्मान - (1) अजय सहाय (पूर्वी चम्पारण) ।
- सामाजिक प्रतिबद्धता वर्ग में-अशोका सम्मान - (1) मोहम्मद शम्स आलम शेख (मधुबनी)।
- वेस्ट साइंस अचिवमेंट वर्ग में-आर्यभट्ट सम्मान - (1) डॉ० यास्मिन बानो (पटना)।
- दिव्यांग रहते हुए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्य करने हेतु वर्ग में-अष्टावक्र सम्मान - (1) धीरज कुमार (नालन्दा)।
- वेस्ट एन०जी०ओ० वर्ग में-चाणक्य सम्मान - (1) संजय कुमार - वागेश्वरी दिव्यांग सह जन सेवा संस्थान (मुजफ्फरपुर)।
- बिहार के रहनेवाले या जुड़े व्यक्ति जो देश व विदेश में दिव्यांगता के क्षेत्र में बिहार का मान-सम्मान बढ़ाने हेतु-बिहार गौरव सम्मान - (1) डॉ० शिवाजी कुमार (पूर्व राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, बिहार सरकार, पटना), प्रवीण भारद्वाज (बेतिया), (2) विंग कमांडर शान्तनु (पटना)।

इस वर्ष कुल 17 श्रेणियों में 80 चयनित प्रतिनिधियों को 21वां बिहार सम्मान समारोह 2021 से आज दिनांक 8 सितम्बर 2021 (बुधवार) को अपराहण 2 बजे से राज महल रिसोर्ट, भागवत नगर, कुम्हरार, पटना में मोमेंटो, अंगवस्त्र, एवं प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किए गये।

आज के कार्यक्रम का मंच संचालन संदीप कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार सिन्हा, सुगन्ध नारायण प्रसाद द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंजली कुमारी, गोपाल कुमार, विशाल कुमार, लक्ष्मीकान्त कुमार, अशोक कुमार, आदित्या कुमार, आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाया

9 अक्टूबर 2021

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के पूर्व संध्या पर ऑनलाईन मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता वेबिनार का आयोजन किया गया

एवं विशेषज्ञों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सवालों का जबाव दिया गया।

पटना 9 अक्टूबर 2021 । चाईल्ड कन्सर्न, समर्पण, इण्डियण स्पोर्ट्स फेडेरेशन ऑफ सेरेब्रल पाल्सी, बिहार पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन, बिहार स्पेशल ओलम्पिक्स, इण्डियण स्पोर्ट्स फेडेरेशन ऑफ ऑटिज्म, ऐक्शन फ़ॉर ऑल, बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएबिलिटिज, पाटलीपुत्रा पैरेन्टस एसोसिएशन एवं बिहार विकलांग खेल अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के पूर्व संध्या पर आज दिनांक 9 अक्टूबर 2021 को अपराहण 2 बजे से गुगल मीट के माध्यम से ऑनलाईन मानसिक स्वास्थ्य जन-जागरूकता वेबिनार का आयोजन किया गया। आज ऑनलाइन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पूरे विश्व में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयास करना है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष 10 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर काम करने वाले सभी मनो विषेशज्ञों को उनके काम के बारे में बात करने का अवसर प्रदान करता है, और दुनिया भर के लोगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को वास्तविकता बनाने के लिए और क्या करने की आवश्यकता है उस पर अमल करना है। मानसिक विकार से बचने के लिए सकारात्मक सोच का होना बहुत आवश्यक है।

आज के ऑनलाइन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (पूर्व राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, बिहार सरकार सह दिव्यांगजन विशेषज्ञ) विशिष्ट अतिथि वक्ता डॉ० विनोद भांति (दिव्यांगजन विशेषज्ञ) ऑनलाइन उपस्थित थे। मनोविशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ० स्मीता तिवारी (मनोविशेषज्ञ सह रिहैबिलीटेशन प्रैक्टिशनर), डॉ० मनोज कुमार (नैदानि□क मनोचिकित्सक, चाईल्ड होम,पटना), साथ ही श्रीमति सुलेखा कुमारी (सचिव,चाईल्ड कन्सर्न) डॉ० राजीव गंगौल (अध्यक्ष,पाटलीपुत्रापैरेंटस एसोसिएशन), श्री कमल कुमार चौबे (संयुक्त सचिव, बिहार एसोसिएशन ऑफ पी.डब्लू.डी.), संदीप कुमार (खेल निदेशक, बिहार पैरा स्पोर्टस एसोसिएशन), संतोष कुमार सिन्हा (सी.ई.ओ., समर्पण), सुगन्ध नारायण प्रसाद (सचिव, बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिस्एबिलिटिज), कुमार आदित्या, रिता रानी (अध्यक्ष, गया जिला पी.डब्लू.डी. संघ) एवं

सैंकड़ो दिव्यागजन, अभिभावकगण, समाजसेवी, मनोविशेषज्ञ, प्रोफेशनल, खिलाड़ी आदि ऑनलाइन उपस्थित थे।

आज के वेबिनार के मुख्य अतिथि पूर्व राज्य आयुक्त निशक्ततता (दिव्यांगजन), बिहार सरकार, डॉ॰ शिवाजी कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य से पीड़ित एवं उनके परिजनों के हालात पर चिंतन जाहिर करते हुए कहा की समाज को इस दिशा में जागरूक होकर बचपन से ही बच्चों के भीतर उपयुक्त महौल देने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि मानसिक मजबुति के लिए सकारात्मक सोच बहुत जरूरी है। मेडिटेशन, योग, व्यायाम से भी मानसिक बिकार से रोका जा सकता है।

डॉ॰ स्मिता तिवारी ,पुनर्वास विशेषज्ञ एवं मनोवैज्ञानिक द्वारा भी सरल व सहज भाषा एवं सकारात्मक उदाहरण देकर लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताई कि लोगों के बातों पर न ध्यान देते हुए अपने कार्य पर अग्रसरित रहना चाहिए। मानसिक मजबूती ही आपकों सफलता की ओर ले जायेगी इसलिए हमेशा सकारात्मक रहना चाहिए।

डॉ॰ मनोंज कुमार, मनोविशेषज्ञ ने मानसिक स्वास्थ्य विकार से बचने के तरीकों पर विस्तृत जानकारी दिये। इन्होंने बताया कि मनुष्य को सकारात्मक विचार ही मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है। पिछले डेढ़ सालों से कोविड 19 में बहुत सारे लोग मानसिक अवसाद से घिरे हुए हैं उन्हे जागरूक करना एवं उनमें सकारात्मक सोच प्रदान करना बहुत जरूरी है। खासकर विद्यार्थीगण एवं युवा पिढ़ी ज्यादा प्रभावित हुए हैं उन्हें मानसिक स्वास्थ्य प्रति जागरूक बहुत ही आवश्यक है।

इस कार्यक्रम में पाटलिपुत्र स्पेशल चाइल्ड पैरेटस एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ॰ राजीव गंगौल द्वारा काफी प्रेरक जागरूक व्याख्यान दिये गये।

आज के ऑनलाइन कार्यक्रम में अभिषेक राज, अभिषेक कुमार, अमिषा प्रकाश, अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, सुरेन्द्र कुमार, अनुप कुमार पटेल, आजम रब्बानी, बाल्मिकी कुमार, चन्दन कुमार, चन्दन पासवान, दीपक कुमार, गोपाल नंदन, मैमुना सुल्तान, मो॰ फिरदौस अख्तर, मो॰ महमूद आलम, मिथिलेष यादव, मोहन कुमार राय, मुकेश कुमार, प्रणव कुमार, परासर मुनि कुमार, राजेश टुडु, शहबाज अहमद, शरत सिंह, शेखर चौरसिया, सुधा कुमारी, उमेश कुमार, रविभूषण वर्मा, विरजु यादव, सुवोध कुमार, विक्की कुमार पासवान, विरेन्द्र कुमार, साथ ही सैंकड़ो मनोविशेषज्ञ, प्रोफेशनल, दिव्यांग खिलाड़ी, दिव्यागजन, अभिभावकगण, समाजसेवी, लोग ऑनलाईन उपस्थित थे। सभी ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति दिये गये जानकारी को काफी सराहना की एवं बताया इस तरह का जागरूकता कार्यक्रम समय-समय पर होते रहना चाहिए।

आज के ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन संदीप कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार सिन्हा के द्वारा किया गया।

14 नवम्बर 2021

रंगोली प्रतियोगिता में निखरी प्रतिभा

''समर्पण'' के तत्वावधान में 14नवम्बर, 2021 को रंगोली प्रतियोगिता सुबह 11 बजे से राज भवन के सामने राजेन्द्र गोलम्बर पर आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन डा0 शिवाजी कुमार (दिव्यांगजन

विशेषज्ञ) के कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस प्रतियोगिता में विशेष स्कूल के बच्चे एवं सामान्य स्कूल के बच्चों के बीच सामंजस्य लाने की यूनिफाई प्रोग्राम के तहत एक समाजिक पहल है। आज के प्रतियोगिता में चाईल्ड कन्सर्न (विशेष स्कूल) एवं पटना के स्कूलों के छात्र/छात्राएँ भाग लिये।

आज के रंगोली बनाने में सभी ने स्पेशल बच्चें को बनाते देख मंत्रमुग्ध रहे। इस प्रतियोगिता में अविनाश कुमार, सुरज कुमार, अमिशा प्रकाश, सुरभी सुमन, विकास पाण्डे, शहनवाज, दानीश, प्रतीक झा, पियुष कुमार, प्रवीण कुमार, अलीसा, काजल कुमारी, रितिका कुमारी, सौरभ कुमार, शुभम कुमार, नवीन कुमार, आदर्श कुमार, सैफाली, रीना प्रिया आदि छात्र/छात्राएँ भाग लिया।

20 **नवम्बर** 2021

समर्पण द्वारा मुफ्त मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य जाँच शिविर

पटना 20 नवम्बर 2022। मानसिक, शारीरिक, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, नेत्रहीन, मूक-वधिर एवं अन्य दिव्यांगों के विकास हेतु समर्पण, पटना द्वारा मुफ्त दिव्यांगता पहचान शिविर का आयोजन इलाहीबाग पटना में किया गया ।

विशेषज्ञों ने इस अवसर पर कहा कि इस शिविर के आयोजन का उद्देश्य दिव्यांगों के लिए सामुदायिक विकलांग पुनर्वास योजना के तहत, स्लम एरिया में रह रहे दिव्यांगों की पहचान कर, उन्हें शिक्षण-प्रशिक्षण एवं पुनर्वास, अभिभावक परामर्श, सरकारी एवं गैर सरकारी सुविधाओं की जानकारी एवं यथोचित सुविधा उपलब्ध करना है ।

SAMARPAN PATNA

विशेषज्ञ) के कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस प्रतियोगिता में विशेष स्कूल के बच्चे एवं सामान्य स्कूल के बच्चों के बीच सामंजस्य लाने की यूनिफाई प्रोग्राम के तहत एक समाजिक पहल है। आज के प्रतियोगिता में चाईल्ड कन्सर्न (विशेष स्कूल) एवं पटना के स्कूलों के छात्र/छात्राएँ भाग लिये।

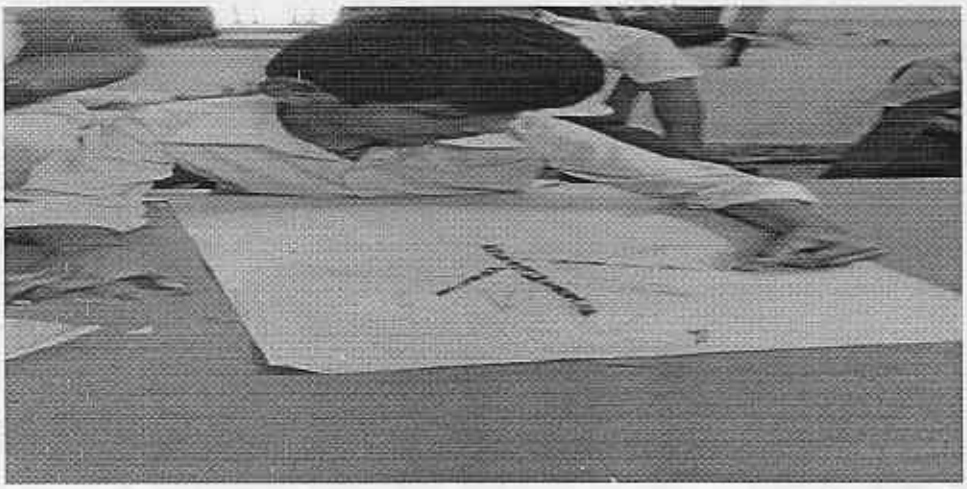

आज के रंगोली बनाने में सभी ने स्पेशल बच्चें को बनाते देख मंत्रमुग्ध रहे। इस प्रतियोगिता में अविनाश कुमार, सुरज कुमार, अमिशा प्रकाश, सुरभी सुमन, विकास पाण्डे, शहनवाज, दानीश, प्रतीक झा, पियुष कुमार, प्रवीण कुमार, अलीसा, काजल कुमारी, रितिका कुमारी, सौरभ कुमार, शुभम कुमार, नवीन कुमार, आदर्श कुमार, सैफाली, रीना प्रिया आदि छात्र/छात्राएँ भाग लिया।

20 **नवम्बर** 2021

समर्पण द्वारा मुफ्त मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य जाँच शिविर

पटना 20 नवम्बर 2021। मानसिक, शारीरिक, ऑटिज्म; सेरेब्रल पाल्सी, नेत्रहीन, मूक-वधिर एवं अन्य दिव्यांगों के विकास हेतु समर्पण, पटना द्वारा मुफ्त दिव्यांगता पहचान शिविर का आयोजन इलाहीबाग पटना में किया गया।

इस अवसर पर विशेषज्ञों ने कहा कि इस शिविर के आयोजन का उद्देश्य दिव्यांगों के लिए सामुदायिक विकलांग पुनर्वास योजना के तहत, स्लम एरिया में रह रहे दिव्यांगों की पहचान कर, उन्हें शिक्षण-प्रशिक्षण एवं पुनर्वास, अभिभावक परामर्श, सरकारी एवं गैर सरकारी सुविधाओं की जानकारी एवं यथोचित सुविधा उपलब्ध करना है ।

SAMARPAN PATNA

2 दिसम्बर 2021

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस (3 दिसम्बर) के पूर्व संध्या पर दिव्यांगजनों ने अपने अधिकार के लिए किया जन-जागरूकता मार्च पास्ट का आयोजन

पटना, 2 दिसम्बर 2021 । समर्पण (बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल मेडीसिन, चिकित्सीय प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, विशेष शिक्षा, अनुसंधान और पुनर्वास केन्द्र दिव्यांगजन), चाईल्ड कन्सर्न, पैरालिम्पिक कमिटी ऑफ बिहार, स्पेशल ओलंपिक्स बिहार, पाटलीपुत्रा पैरेन्ट्स एसोसिएशन, बिहार दिव्यांग खेल अकादमी, सिविल सोसाईटी फोरम, इण्डियन स्पोर्ट्स सेरेब्रल पाल्सी, बिहार एसोशिएशन ऑफ पी.डब्लू.डी. एवं इण्डियण स्पोर्टस फेडेरेशन ऑफ ऑटिज्म के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के पूर्व संध्या पर आज दिनांक 2 दिसम्बर 2021 (गुरूवार) को अपराहण् 3 बजे से गांधी मैदान, पटना के चारो तरफ दिव्यांगजन अपने अधिकार के लिए जन-जागरूकता मार्च पास्ट का आयोजन किया गया। आज के कर्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीलक्ष्मीकान्त कुमार (प्राचार्य, समर्पण स्पेशल स्कूल) एवं श्री संदीप कुमार (खेल निदेशक, बिहार पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन) ने झंडी दिखाकर दिव्यांगजन जनजागरूकता मार्च पास्ट का रवाना किया। आज के कार्यक्रम संतोष कुमार सिन्हा (सी.ई.ओ., समर्पण), सुगन्ध नारायण प्रसाद (सचिव, बिहार एसो० ऑफ पी डब्लू डी), धीरज कुमार(मिडिया प्रभारी) संजीव कुमार (सचिव,पटना जिला पी.डबलू डी. संघ), किशोर कुमार (पी.आर.ओ. समर्पण क्लब), सुरेन्द्र कुमार, धर्मेंद्र मांझी, कुन्दन कुमार पाण्डेय, बबलु कुमार, आजाद कुमार, कार्तिक कुमार, अरिकेश प्रसाद, अमरजीत कुमार, राजेन्द्र प्रसाद, रत्नेश कुमार, मोनु कुमार, सिकन्दर विश्वकर्मा, धर्मराज, सौरभ गुप्ता, रंजीत कुमार, अभिषेक कुमार, अंकित मिश्रा, मानसी, बविता कुमारी, ज्योति माला, संजय कुमार चौधरी एवं 50 से अधिक दिव्यांग खिलाडी, दिव्यांगजन, अभिभवकगण, समाजसेवी उपस्थित थे। इस जनजागरूकता मार्च पास्ट का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों के प्रति जागरूकता फैलाना है।

दिव्यांगजनों के प्रति जनजागरूकता के लिए प्रत्येक वर्ष 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांगजनों के लिए

अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने की शुरुआत हुई थी और 1992 से संयुक्त राष्ट्र के द्वारा इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित किया जा रहा है। दिव्यांगजनों के प्रति सामाजिक कलंक को मिटाने और उनके जीवन के तौर तरीकों को और बेहतर बनाने के लिये-एवं जागरुकता को बढ़ावा देने के लिये इसे हर साल मनाने के लिये इस दिन को खास महत्व दिया जाता है। 1992 से, इसे पूरी दुनिया में हर साल लगातार मनाया जा रहा है।

सभी अतिथियों ने बताया कि समाज में उनके आत्मसम्मान, सेहत और अधिकारों को सुधारने के लिये और उनकी सहायता के लिये एक साथ होने के साथ ही लोगों की दिव्यांगता के मुद्दे की ओर पूरे विश्वभर की समझ को सुधारने के लिये इस दिन बहुत बड़ा महत्व है। इस तरह के कार्यक्रम से समाज के लोगों में दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक सोच पैदा करता है। दिव्यांगजनों को समाज के मुख्यधारा से जोड़ना हम सभी का कर्तव्य है।

आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में धर्मेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, गोपाल कुमार, शेखर चौरसिया, निर्भय कुमार, राजेश कुमार, पुनम देवी आदि ने महत्वपूर्ण भुमिका निभाई।

8 दिसम्बर 2021

राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांग दिवस (8 दिसम्बर) के अवसर पर राज्य स्तरीय जन-जागरूकता वर्कशॉप वेबिनार का आयोजन किया गया

विशेषज्ञों द्वारा बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के प्रति जागरूकता एवं पुनर्वास पर चर्चा की गई

पटना 8 दिसम्बर 2021। समर्पण एवं पाटलीपुत्रा पैरेंट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 8 दिसम्बर 2021 को दोपहर 12 बजे से राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांग दिवस के अवसर पर गुगल मीट के माध्यम से ऑनलाईन राज्य स्तरीय वर्चुअल वर्कशॉप एवं जन-जागरूकता वेबिनार का आयोजन किया किया। आज के वेबीनार के मुख्य अतिथि पूर्व राज्य आयुक्त नि:शक्तता सह प्रसिद्ध दिव्यांगजन

विशेषज्ञ डॉ० शिवाजी कुमार ऑनलाईन उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ० राजीव गंगौल (अध्यक्ष,पाटलीपुत्रा पैरेन्ट्स एसोएिशन), बिहार एसोसिएशन के

प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रवीण मिश्रा, महासचिव कमल कुमार चौबे, सचिव सुगन्ध नारायण प्रसाद, साथ ही श्रीमति सुलेखा कुमारी (सचिव समर्पण), संदीप कुमार (क्षेत्रीय निदेशक, स्पेशल ओलम्पिक्स बिहार), संतोष कुमार सिन्हा (सी.ई.ओ., समर्पण), निशान्त कुमार (दिव्यांगजन विशेषज्ञ), अजय सहाय (प्रोग्राम ऑफिसर, मनरेगा), रीता रानी (गया जिला डी.पी.जी. अध्यक्ष), ब्यास मुनी दुबे (बक्सर जिला डी.पी.जी. अध्यक्ष), अंजु भारती (बुनियाद केन्द्र, दरभंगा), डॉ० तलहा महबुब, पोशान सिंह (पूर्वी चम्पारण जिला डी.पी.जी अध्यक्ष), आदित्या कुमार, सुरेन्द्र कुमार, शिव कुमारी एवं सैकड़ों बौद्धिक दिव्यांग, सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म, बहु दिव्यांग, प्रोफेशनल, दिव्यांग खिलाड़ी, अभिभावकगण, दिव्यांगजन विशेषज्ञ, समाजसेवी आदि भाग लिया। राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांग दिवस प्रत्येक वर्ष 8 दिसम्बर को मनाया जाता है एवं बौद्धिक दिव्यांग के प्रति समाज में जागरूकता फैलाया जाता है ।

मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार ने बताया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम में वर्णित 21 प्रकार की दिव्यांगता में सबसे अधिक बौद्धिक दिव्यांग/मानसिक दिव्यांगों की संख्या है। इनका आई०क्यू० लेवल 70 से कम होने के कारण इनकी शारीरिक विकास तो हो जाती है लकिन बौद्धिक विकास नहीं हो पाती है। बौद्धिक दिव्यांग के चार प्रकार होते हैं माईल्ड, मोडेरेट, सिवियर एवं परफाउंड। इनकी स्थिति अन्य दिव्यांगों से ज्यादा खराब होती है। इनके पालन पोषण में इनके परिवार को ज्यादा खर्च उठाना पड़ता है । कभी-कभी इनको अच्छी तरह से देखभाल नहीं होने के कारण आकस्मिक मृत्यु भी हो जाती है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के धारा 38 में वर्णित है जिन दिव्यांगों को कोई देख-रेख करने वाला नहीं है सरकार के द्वारा उसकी आवश्यकता अनुसार सपोर्ट करने की जरूरत है। बौद्धिक दिव्यांग बच्चे कभी झूठ नहीं बालते है। हम सभी का कर्तव्य है बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के सर्टिफिकेशन, शिक्षा, खेल-कूद एवं पुनर्वास मदद करना। आज सैकड़ो बौद्धिक दिव्यांग बच्चे खेल-कुद के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बिहार एवं भारत का नाम रौशन किया है।

डॉ० राजीव गंगौल ने बताया कि बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना बहुत ही आवश्यक है ताकि ऐसे बच्चे समाज के मुख्यधारा से जुड़ सके।

श्री प्रवीण मिश्रा ने बताया कि पूरे बिहार में प्रखंड स्तर, अनुमण्डल स्तर, जिला एवं राज्य स्तर पर दिव्यांगजनों को जागरूक करने कार्य किया जा रहा है उसी तरह पंचायत स्तर पर भी दिवयांगजनों के ग्रुप बनाकर जागरूक करने की आवश्यकता है । 3 दिसम्बर को दिव्यांगजन अधिकार सम्मेलन में लाखों की संख्या में गांधी मैदान पटना में उपस्थित होकर पूरे बिहार के दिव्यांगजन अपनी एकजुटता की परिचय दिया।

श्री कमल कुमार चौबे ने बताया कि बौद्धिक दिव्यांग बच्चे भगवान का स्वरूप होते हैं ये कभी भी किसी परिस्थिति में झूठ नहीं बोलते हैं ।आज दिव्यांगजन किसी मोहताज का नहीं बल्कि उन्हें दिशा दिखाने की जरूरत है। इन्हें भी समाज में समान्य अधिकार प्राप्त है।

श्री अजय सहाय ने बताया कि दिव्यांगजनों का कार्य अनकरणीय है आज मनरेगा के तहत हजारों दिव्यांगजनों का जॉब कार्ड बनाकर पुनर्वासित किया गया है आगे बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को भी मनरेगा जोड़कर उन्हें समाज के मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य करेंगे।

सुश्री रीता रानी एवं अंजु भारती ने बताई कि बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के प्रति उनके परिवार एवं समाज के लोगों की सोच को बदलना होगा एवं उन्हें जागरूक करना होगा।

आज के वेबीनार में अभिषेक राज, शाहबाज अहमद, अनुज कुमार, अनुप कुमार पटेल, अरमान अली, अरूण सिंह, अशाद जमाल, अशोक कुमार, आदित्या कुमार, आयुष सिन्हा, अजीज रहमान, बब्लु प्रकाश, बालकृष्णा पाण्डेय, बाल्मिकि कुमार, भाई भुल्ली यादव, विक्की कुमार, चमन कुमार, चन्दा भारती, चन्दन कुमार, चन्द्र शेखर, दीपेश कुमार, दीपांचल महतो, धनन्जय कुमार, दिनेश साह, जगनाथ कुमार राय, जसविन्दर सिंह, ज्योती कुमारी, कुमार सानु, महादेवशिंदे, मनजीत कुमार, मनोज कुमार, मो० गुलशाद आलम, मो० इमामुल हक, मुकेश कुमार, मुकुन्द राय, मुन्नीकुमारी, नागेन्द्र यादव, पवन कुमार पासवान, रफिक अंसारी, रजनीश कुमार, रंजीत कुमार, रीमाकुमारी, रिचा सिंह, आर.पी. शर्मा, रूबी पाण्डेय, सागर गुप्ता, संगीता शर्मा, संजय झा, सरोज सिंह, सतीश कुमार, शिव कुमारी, शिवेन्द्र कुमार, सिमा नसरीन, सोनालाल कुमार, सोनी कुमारी, सुभरांशु कुमार नायक, सुरेन्द्र कुमार, सुशीलकुमार दास, उपेन्द्रकुमार, उमाकान्त कुमार, उपेन्द्र कुमार, उत्तम कुमार, विकास राज, विरजु यादव, विवेक कुमार, राम प्रकाश यादव, आदित्या कुमार, अभय मांझी, अमिशा प्रकाश, अमरेश कुमार आदि साथ सभी प्रखण्ड, अनुमण्डल, जिला के डी.पी.जी. अध्यक्ष, सचिव, मिडिया प्रभारी उपस्थित थे। सभी प्रतिभागियों ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से दिव्यांगजनों के प्रति काफी उत्साहवर्द्धन होता है। विशेषज्ञों द्वारा लोगों द्वारा पूछे गये सवालों का जवाब भी दिये।

आज के कार्यक्रम का संचालन संदीप कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार सिन्हा द्वारा किया गया।

18 दिसम्बर 2021

"दिव्यांगजनों के लिए कैरियर के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला कार्यक्रम" का आयोजन किया गया

पटना, 18 दिसम्बर 2021। समर्पण, चाईल्ड कन्सर्न एवं बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसएबिलिटिज के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 18 दिसम्बर 2021

(शनिवार) को अपराह्न 1:00 बजे से 3:00 बजे तक "दिव्यांगजनों के लिए कैरियर के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला कार्यक्रम" का

आयोजन SAMARPAN "समर्पण" (बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल मेडीसिन, चिकित्सीय प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, विशेष शिक्षा, अनुसंधान और पुनर्वास केन्द्र) सेमिनार हॉल, समर्पण कॉलोनी, बैरिया नया बस स्टैंड के पास, पहाड़ी, बादसाही पैन, पटना गया रोड, पटना में किया गया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (पूर्व राज्य आयुक्त नि:शक्तता सह प्रसिद्ध दिव्यांगजन विशेषज्ञ), उपस्थित थे। साथ ही बिहार एसोसिएशन ऑफ पी०डब्लू०डी० के उपाध्यक्ष, श्री ह्रिदय यादव, सचिव सुगंन्ध नारायण प्रसाद, संयुक्त सचिव संजीव कुमार, संतोष कुमार सिन्हा (सी.ई.ओ. समर्पण), संदीप कुमार (नेशनल ट्रेनर), रीना कुमारी (विशेष शिक्षक), हेमन्त लाल (विशेष शिक्षक), एवं सैंकड़ो दिव्यांगजन, अभिभावकगन, दिव्यांगजन विशेषज्ञ उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार ने बताया कि समर्पण सभी 21 प्रकार के दिव्यांगजनों के कैरियर के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांगजनों के लिए समर्पण में विशेष शिक्षा,फिजियो थेरेपी, स्पीचथेरेपी, ऑकुपेशनल थेरेपी, विहैवियर मोडिफिकेशन, स्कील डेवलप्मेंट, भोकेशनल ट्रेनिंग की सुविधा उपलब्ध है। यहां कुशल प्रशिक्षकों द्वारा दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण देने का कार्य करता है। समर्पण का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को विशेष शिक्षा, सर्वांगिण विकास, पुनर्वास, रोजगार एवं समाज के मुख्य धारा से जोड़कर उन्हें स्वाबलंबन बनाना है। हम सभी का कर्तव्य है दिव्यांगजनों को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें पुनर्वासित करना।

ह्रिदय यादव ने बताया कि बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसएबिलिटिज के विशेष आग्रह पर समर्पण में ये सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हम सभी दिव्यांगजनों को इसकी लाभ लेनी चाहिए।

आज के कार्यक्रम में नीतु देवी, आशा कुमारी, सुमीत कुमार, संजु देवी, चुरनी देवी, जगदीश कुमार, सोना देवी, अजीत कुमार, कामाख्या देवी, गुड़िया कुमारी, मीना देवी, ललिता कुमारी, काजल कुमारी, बिट्टु कुमार, शीला कुमारी, उतम कुमारी, संजना कुमारी, प्रिती यादव, प्रियंका कुमारी, संजीव कुमार, रूपेश कुमार, किरण देवी, इन्दु देवी, गुड्डु कुमार, सुनील कुमार, विकाश कुमार, संतोष कुमार, अबिला महतो, आकाश कुमार, अंशु कुमार, पुष्पा देवी, सुनीता देवी, विनिता कुमारी, चन्दा भारती, प्रमोद कुमार पाण्डे, कमलेश कुमार, सुनील कुमार, रजत कुमार, अभिषेक राज, सुप्रभात कुमार, शिशिर कुमार, मानसी, अमिषा प्रकाश आदि उपस्थित थे। सभी दिव्यांगजनों ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से हम सभी का मनोबल एवं आत्मविश्वास बढ़ता है।

SAMARPAN PATNA

आज के कार्यक्रम का संचालन सुगन्ध नारायण प्रसाद एवं धन्यवाद ज्ञापन संजीव कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल बनाने में पुनम देवी, अजय कुमार, सकलदीप मंडल, प्रदीप कुमार, धर्मेंद्र कुमार, शेखर चौरसिया, आदि ने महत्वपूर्ण भुमिका निभाई।

6 फरवरी 2022

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्पेशल ओलम्पिक्स बिहार द्वारा विशेष बच्चों के लिए मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर के सफल आयोजन हेतु ऑनलाईन बैठक का आयोजन किया गया

पटना 6 फरवरी 2022 । स्पेशल ओलम्पिक्स बिहार, बिहार पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन, इण्डियन स्पोर्ट्स फेडेरेशन ऑफ सेरेब्रल पाल्सी, इण्डियण स्पोर्ट्स फेडेरेशन ऑफ ऑटिज़्म, बिहार दिव्यांग खेल अकादमी, चाईल्ड कन्सर्न, समर्पण एवं बिहार एसोसिएशन ऑफ़ पर्सन्स विथ डिसेबिलिटी के तत्वाधान में आज दिनांक 6 फरवरी 2022 को अपरहाण 3 बजे से आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष बच्चों के लिए मेगा स्क्रिनिंग, स्वास्थ्य जांच शिविर के सफल आयोजन हेतु ऑनलाईन बैठक का आयोजन गूगल मीट प्लेटफॉर्म पर किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव आजादी का)75 वां सालके अवसर (पर स्पेशल ओलम्पिक हेतु8 हजार मानसिक दिव्यांग बच्चोंमेगा हेल्थ - युवाओं का स्क्रीनिंग जाँच- - चेकअप7 अप्रैल को बिहार के तीन महानगर -1-पटना,2-मुजफ्फरपुर,3-मुंगेर में होनी है। इस मेगा स्क्रिनिंग, स्वास्थ्य जांच शिविर में पूरे बिहार से 8000 से अधिक विशेष बच्चों के लिए अगामी 7 अप्रैल 2022 को पटना, मुजफ्फरपुर एवं मुंगेर में स्पेशल ओलम्पिक्स भारत के सौजन्य से स्पेशल ओलम्पिक्स बिहार द्वारा किया जाएगा। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में बौद्धिक दिव्यांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, स्लो लर्नर एवं बहुदिव्यांग बच्चे भाग लेंगे। आज के ऑनलाईन बैठक में 100 से अधिक खेल प्रशिक्षक, दिव्यांगजन विशेषज्ञ, समाजसेवी, विशेष शिक्षक, दिव्यांगजन आदि जुड़े हुए थे।

आज के ऑनलाइन बैठक के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार गजन विशेषज्ञ सह पूर्व दिव्यां) (ताशक्त: नि आयुक्तराज्य ऑनलाइन उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि श्री हिरदय यादव क्षउपाध्य), बिहार एसोसिएशन ऑफ पीडब्लू डी(, श्री कमल कुमार चौबे महासचिव), बिहार एसोसिएशन ऑफ पीडब्लू डी (साथ ही श्री सुगंध नारायण प्रसाद सचिव), बिहार एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएब्लिटिज(संदीप कुमार शल क्षेत्रिय निदेशक स्पे)

SAMARPAN PATNA

(बिहारओलम्पिक्स, संतोष कुमार सिन्हा प्रोग्राम मैनेजर), स्पेशल ओलम्पिक्स बिहार(, कुमार आदित्या, लालु तुरहा (मुजफ्फरपुर कोऑर्डिनेटर), आदित्या कुमार पट)ना जिला कोऑर्डिनेटर(, हरिमोहन सिंह मुंगेर) (मनरेगा .ओ.पी) श्री अजय सहाय (कोऑर्डिनेटर, रीता रानी (क्षअध्य .जी.पी.गया जिला डी), श्री गोपालनन्दन जी (क्षअध्य .जी.पी.बांका जिला डी), श्री पीएवं (क्षअध्य .जी.पी.पुर्णिया जिला डी) राय .सी. सभी जिला के जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय, प्रखंड स्तरीय कार्यकारणी सदस्य साथ ही खेल प्रशिक्षक, दिव्यांगजन विशेषज्ञ, समाजसेवी, विशेष शिक्षक, दिव्यांगजन ऑनलाइन उपस्थित थे।

मीटिंग के संचालक खेल कूद एरिया डायरेक्टर संदीप कुमार जी ने विस्तार से बताया कि मानसिक तथा सेरब्रेल पाल्सी संग और भी किस किस प्रकार के दिव्यांग बच्चों की जाँच की जाएगी।-

डॉ शिवाजी सर ने कहा कि स्पेशल बच्चों का जाँचनिश्चित तौर पर -स्पेशल ओलम्पिक हेतु-र है।बिहार पीडब्लूडी संघ के सभी सम्मानित अधिकारियों के द्वारा दिव्यांगों के लिये एक अच्छा अवस बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने की जरुरत है।दिव्यांगों को आत्म निर्भर बनाने हेतु इसे बुनियादी संरचना में नींव का ईट माना जा सकता है।

बिहार पीडब्लूडी संघ के महासचिव,के •के• चौबे ने बताया कि हम सभी जी जान से लगकर मेगा जाँच शिविर को सफल बनायेंगे। बिहार पीडब्लूडी संघ सचिव, सुगंध नारायण जी ने बताया कि बिहार के 3 महानगरों पटना ,मुजफ्फरपुर,तथा मुंगेर में 3000 ,ढाई हजार तथा ढाई हजार अर्थात कुल आठ हजार दिव्यांग बच्चों का ,आयोजित होने वाली मेघा जांच शिविर में जाँच होगा।

उपाध्यक्ष हृदया यादव ने बताया कि, हम सब योजनाबद्ध तरीके से पूरे बिहार के दिव्यांग जनों को 3 जोन में बाँट कर प्रयास करेंगे कि जरुरतमंद दिव्यांग जन ,मेगा जांच स्थल पर अवश्य पहुंचे

बांका जिला डीपीजी अध्यक्ष गोपाल नंदन सिंह तथा गया जिला डीपीजी अध्यक्षा, रीता रानी प्रसाद ने भी स्पेशल बच्चों को शिविर तक पहुंचाने की बात कही।पूर्णिया डीपीजी संरक्षक प्रफुल्ला चंद्र राय जी, मधुबनी अध्यक्ष फूल अंसारी साहब, जम्मू जमुई जिला अध्यक्ष, बाल्मीकि यादव जी ,लदनिया प्रखंड अध्यक्ष ,रामप्रकाश यादव जी,बक्सर आरटीआई, डुमरांव से विनोद पाठक जी ,नवादा से वकार यूनुस जी, ने ज्यादा से ज्यादा संख्या में स्पेशल बच्चों को जांच शिविर तक ले जाने की बात कही ।चौसा प्रखंड - पीओ मनरेगा- बक्सर जिला, अजय सहाय सर, ने भी स्पेशल दिव्यांग जनों को शिविर में शामिल कराने की बात कही। इस मौके पर अजय मांझी ,चंदा भारती, दिनेश शाह, जहानाबाद मीडिया प्रिंस कुमार, गुड्डू कुमार जी, हुसैन जी, कुमार रोशन लाल जी, मोहम्मद फिरदौस अख्तर जी, तौफीक आलम जी ,मीकू कुमार झा जी ,प्रमोद जी, सागर गुप्ता जी, शिवानंद जी ,सुरभि कुमारी जी, विद्या माला जी ,विकास जी, विशाल कुमार जी ,सोनू कुमार जी संग सैकड़ों की संख्या में दिव्यांग जन आज जे इस वर्चुअल मीटिंग ने शामिल हुए।

वोट ऑफ थैंक्स अर्थात कार्यक्रम समापन के लिए स्पेशल ओलम्पिक्स बिहार के प्रोग्राम मैनेजर श्री संतोष सिन्हा जीने सभी आगतद ज्ञापित करते हुए कहा कि आप सब तथागत को धन्यवा- की सक्रियता काबिले तारीफ है।आप सब पूरे मनोयोग पूर्वक 7 अप्रैल को लगने वाले मेगा हेल्थ चेक अप सेंटर पर दिव्यांग बंधुओं को ,ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल करायें। सभी उपस्थित दिव्यांग जनों के प्रति शुभेच्छा व्यक्त करते हुए, कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

SAMARPAN PATNA

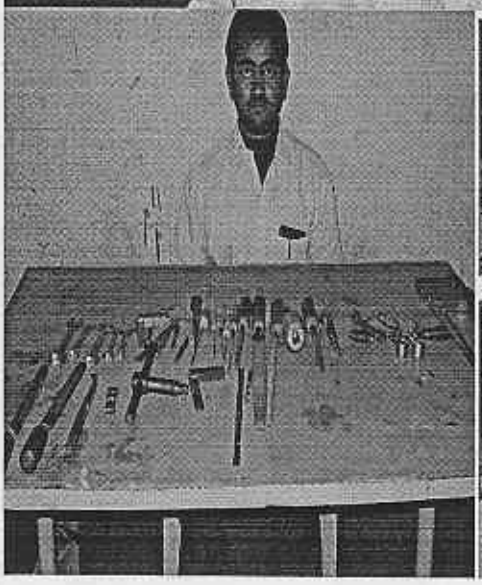

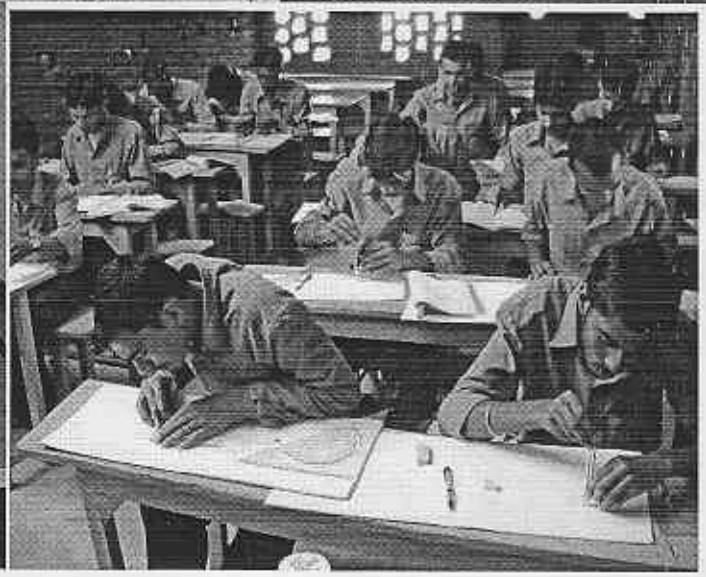

''समर्पण''

समर्पण कोलनी, इलाहीबाग, पो0–बैरिया, पटना–800007
E-mail: samarpanindia100@gmail.com, website:
www.samarpanbharat.org

*****

SAMARPAN PATNA